

जेवर एअरपोर्ट के शुरू होने से अर्थव्यवस्था का बदलेगा ढांचा

जेवर एअर पोर्ट से विदेशी मेहमान सीधे अलीगढ़ आ सकेंगे, अभी तक दिल्ली में ही विदेशी बाॅयरों से वार्ता करते हैं निर्यात

सुविधा

अलीगढ़, वरिष्ठ संवाददाता। जेवर एअरपोर्ट शुरू होने से अलीगढ़ की दिशा व दशा दोनों बदल जाएगी। यहां की अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ेगी। अलीगढ़ से विदेशकों के अलावा घरेलू केनक्टिविटी का बेहतर साधन हो जाएगा। अभी तक अलीगढ़ वालों को फ्लाइट पकड़ने के लिए दिल्ली जाना पड़ता है। तीन से चार घंटे बर्बाद होते हैं। जितने घंटे दिल्ली जाने में बर्बाद होते थे अब उतने घंटे में मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता, बेंगलूरू, चेन्नई, गुजरात, अहमदाबाद, पटना, गोवा, पुणे समेत अन्य स्थानों पर पहुंच सकेंगे।

अलीगढ़ से जेवर की दूरी करीब 70 किलोमीटर है। अलीगढ़ पलवल हाइवे से जेवर का रास्ता जाता है। अलीगढ़ पलवल हाइवे का महत्व और बढ़ जाएगा। खैर तहसील में डिफेंस कॉरिडोर, स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रस्तावित अलीगढ़ आवासीय योजना, ट्रांसपोर्टनगर समेत अन्य कई अहम प्रोजेक्ट हैं। दिल्ली एनसीआर की कंपनियां खैर व टप्पल में ही निवेश अधिक कर रही हैं। जेवर एअरपोर्ट में मेंटीनेंस का कार्य भी जहाजों का शुरू किया जाएगा। इससे अलीगढ़ के हार्डवेयर इंडस्ट्री को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष



जेवर एअरपोर्ट शुरू होने से अलीगढ़ की कनेक्टिविटी बेजोड़ हो जाएगी। आर्थिक नजरिए से अलीगढ़ को बड़ा फायदा जेवर एअरपोर्ट से होगा। ट्रेवलिंग आसान हो जाएगी और यह जिले के लिए गेमचेंजर साबित होगा।

अजय पटेल, निर्यातक



विदेशी टूर प्लान करने में आसानी होगी। कम समय में एअरपोर्ट पहुंचकर विदेशों के लिए सीधी फ्लाइट मिल जाएगी। विदेश से आने वाले बाॅयरों के लिए भी आसानी होगी। जेवर से वह एक से डेढ़ घंटे में अलीगढ़ आ जाएंगे। निर्यात की संभावनाएं बढ़ेंगी।

रिषभ माहेश्वरी, निर्यातक



जेवर एअरपोर्ट से निर्यात की संभावनाएं बढ़ेंगी। हवाई जहाज की मरम्मत का भी काम शुरू होगा, जिससे डिफेंस सेक्टर को फायदा मिलेगा। कृषि क्षेत्र से निर्यात की संभावनाएं बढ़ेंगी। दिल्ली जाने का झंझट समाप्त हो जाएगा और कनेक्टिविटी आसान होगी।

निशांत सिंघल, निर्यातक।



किसी भी राज्य में जाने के लिए दिल्ली से फ्लाइट पकड़नी होती थी और समय अधिक लगता था। लेकिन इस व्यवस्था से अलीगढ़ वालों को निश्चित तौर पर राहत मिलेगी। घरेलू कारोबार के लिए आसानी से जेवर एअरपोर्ट से कम समय में फ्लाइट पकड़ी जा सकेगी।

गीता गुप्ता, आर्किटेक्ट।

यमुना एक्सप्रेस-वे

आज हल्के व भारी मालवाहक वाहनों को नहीं मिलेगा प्रवेश

अलीगढ़ वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम के चलते शनिवार सुबह सात से शाम चार बजे तक ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे, यमुना एक्सप्रेस-वे और कार्यक्रम स्थल के आसपास के मार्गों पर सभी तरह के मालवाहक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे में अलीगढ़ से टप्पल के रास्ते जाने वाले हल्के व भारी मालवाहक वाहनों को भी जाने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि,

आपातकालीन वाहनों की आवाजाही पर रोक नहीं रहेगी। यातायात निरीक्षक विनय सागर शुक्ला ने बताया कि सभी तरह के मालवाहक वाहन को टप्पल से एक्सप्रेसवे पर नहीं जाने दिया जाएगा। लोड बढ़ने पर ट्रैफिक को खैर, गोमत की तरफ भेजा जाएगा। खेरेश्वर से आने वाले मालवाहक वाहनों को रोका जाएगा। हालांकि सवारी वाहनों पर प्रतिबंध नहीं है। इनमें निजी वाहन, बस आदि शामिल हैं।

अलीगढ़ को होने वाले प्रमुख लाभ

■ अलीगढ़ के ताला, हार्डवेयर और अन्य छोटे-मझोले उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय हवाई मार्ग से सीधा फायदा मिलेगा, जिससे निर्यात में तेजी आएगी, खैर-टप्पल क्षेत्र में नए उद्योग और

■ कंपनियों के आने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे

■ जेवर एयरपोर्ट के दबाव को कम करने के लिए अलीगढ़ के घनीपुर एयरपोर्ट का

■ इस्तेमाल चार्टर फ्लाइट, एयर टैक्सी व एयर एंबुलेंस सेवाओं के लिए किया जा सकता है

■ एएमयू में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के लिए आवागमन आसान होगा

रूप से फायदा मिलेगा। खैर में ही डिफेंस कॉरिडोर की इकाइयां स्थापित हो रही हैं और कई नए उत्पादन भी शुरू कर दिया है। इससे उनको लाभ मिलेगा। निर्यातकों के बायर जो अभी तक दिल्ली ही रह जाते थे वह सीधे अलीगढ़ आ सकेंगे।

फ्लाइट के लिए इंतजार नहीं करना होगा। घरेलू कारोबार के लिए लोगों को जाना होता है तो पहले दिल्ली जाते हैं।

एअरफ्रेट में भी राहत मिल सकती है : हार्डवेयर निर्यातकों को एअरफ्रेट में भी राहत मिल सकती है। अमेरिका,

जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, आस्ट्रेलिया, दुबई, न्यूजीलैंड समेत अन्य स्थानों पर निर्यात हार्डवेयर का होता है। अलीगढ़ से बड़ी मात्रा में माल कार्गो के माध्यम से जाता है। कार्गो का किराया अभी अधिक लग रहा है। लेकिन जेवर से सीधे सुविधा

मिलने से हवाई जहाज से माल भेजने पर किराए में राहत मिल जाएगी। अलीगढ़ से खाद्य पदार्थों का भी निर्यात हो सकेगा। बहुत सारी सब्जियां व फल विदेशों से आते हैं जो दिल्ली एअरपोर्ट के पास बने कोल्ड चेन में रखे जाते हैं।